प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, क्योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

दैनिक यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लाँग इन करें
https://dainikyashonnati.com

वर्ष 8+15 अंक 50 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी मंगलवार 13 जून 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार .....
पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

जनता ढोंगी हिन्दुओं के प्रपंच से वाकिफ है - प्रेम तिवारी

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम तिवारी ने प्रियंका गांधी के जबलपुर में हुये कार्यक्रम को बताया कांग्रेस का दुहरा चरित्र

सिवनी यशोः- .इच्छाधारी अपना रूप बदलकर भले ही गदाधारी होने का ढोंग करलें लेकिन इनकी कुटिल फितरत ही इनकी पोल खोल देती है। जिस तरह शेर की खाल ओढ़कर भेड़िया शेर नहीं हो जाता उसी तरह फसादी खानदान के ढोंगी, दिल में नफरत का असला रखकर हिंदू होने का स्वांग ही रच रहे हैं। भाई कोट के ऊपर जनेऊ पहन कर इच्छाधारी हिंदू बन जाता है तो चुनावी मौसम में बहन भी पीछे नहीं है जो, माँ नर्मदा को आरती समर्पित करने के पहले स्वयं ही आरती ग्रहण कर लेती हैं। हिंदू समुदाय के प्रति इनकी नफरत और घृष्टता किसी से छिपी नहीं है। जनता इन ढोंगियों के हर प्रपंच और छलावे से भलीभांति वाकिफ है। रही बात इनके वादों की तो जिनके इरादे ही कुटिल हों उनके वादे भी धोखे का पिटारा मात्र है।

उक्त आशय की बात पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम तिवारी द्वारा आज जबलपुर में श्रीमती प्रियंका वाड्रा (उर्फ स्वंयभू गांधी) के द्वारा नर्मदा आरती के बहाने किए गए प्रपंच पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही गई। श्री तिवारी ने कहा कि जहां जहां चुनाव होते हैं वहां वहां कांग्रेसी वोटों के लिए नये नये हथकंडे अपनाते हैं। लेकिन भाजपा की सरकार और कार्यकर्ता जनसेवा कार्यों में जुटे रहते हैं । भाजपा कार्यकर्ताओं का यही सेवा भाव भाजपा की विजय का सशक्त साधन है।

श्री तिवारी ने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार के बीते 9 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। इन 9 वर्षों में तमाम संकटों के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

श्री तिवारी ने कहा कि 2014 के पहले देश की अर्थव्यवस्था चरामराई हुई थी। भ्रष्टाचार के नए मामले और घोटाले हर दिन सामने आते थे। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार 2004 से 2014 के बीच देश में 12 लाख करोड़ से अधिक के घोटाले हुए और दुनिया भारत को एक घोटालेबाज देश के रूप में देखने लगी थी। सरकार के कई मंत्री या तो जेल में थे या फिर बेल यानी जमानत पर थे। मोदी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद देश को उस स्थिति से बाहर निकाला। कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि जब हम दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं, तो वह संबंधित व्यक्ति तक आते-आते 15 पैसा ही बचता है। लेकिन हमें गर्व है

शेष समाचार एवं फोटो पृष्ठ 04 पर

मोदी सरकार ने 9 सालों में हमारी गुलामों वाली मानसिकता को बदला: मुंडे

राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी ने बालाघाट में आयोतित कार्यक्रमों में किया संबोधित

सिवनी / बालाघाट यशोः- मोदी सरकार द्वारा बीते 9 सालों में किए गए कामों से देश की सोच में अंतर आया है। हमारे दिमाग से वह गुलामी वाली सोच हट गई है, जिसे पूर्व की सरकारों ने बनाए रखा था। प्रधानमंत्री श्री मोदी के ' सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' जैसे मंत्रों और राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किए जाने जैसे निर्णयों ने पूरे देश में एक सकारात्मक सोच का संचार किया है। यह बात भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती पंकजा मुंडे ने विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत बालाघाट के भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उक्ताशय के विचार प्रगट किये । इस अवसर पर उत्तरप्रदेश बुलंदशहर के सांसद डॉ. भोला सिंह भी उपस्थित रहे। पत्रकारवार्ता के साथ श्रीमती पंकजा मुंडे एवं सांसद भोला सिंह ने पार्टी के अन्य कार्यक्रमो में भाग लिया बालाघाट में आज कार्यकर्त्ता सम्मेलन, व्यापारी प्रकोष्ठ सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था ।

मोदी जी की ओर आशा भरी नजरों से देख रही सारी दुनिया

श्रीमती पंकजा मुंडे ने कहा कि मोदी सरकार के बीते 9 वर्ष गरीब कल्याण, सुशासन एवं सेवा को समर्पित रहे हैं। ये 9 वर्ष वास्तव में भारत के नवनिर्माण के रहे हैं। इन 9 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना हर पल देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने और एक महाशक्ति बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। पूरा विश्व आज हमें आशा भरी नजरों से देख रहा है। उन्होंने कहा कि वास्तव में मोदी जी से केवल को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को अपेक्षाएं है। जिन्हें मोदी जी अपने विचारों से, कार्यशैली से एवं कार्यो को पूर्णता तक पहुंचाने की क्षमता से साबित भी कर दिया है।

मोदी जी ने देश को दी नई कार्य संस्कृति

श्रीमती मुंडे ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार संसद भवन में प्रवेश किया था, तो उन्होंने संसद के मुख्य गेट पर दण्डवत प्रणाम किया था। उस समय उनकी आंखें भी नम थीं। उन्होंने उस दिन खुद को देश का प्रधान ना मानते हुए स्वयं के प्रधान सेवक होने का उद्घोष किया था। जो उनकी चलाई जाने वाली जनकल्याण की हर नीति में दिखाई देता है। वे भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो किसी निर्माण का भूमि पूजन करते हैं तो उद्घाटन भी। उनके द्वारा चलाई जा रही हर योजना की समीक्षा के लिए एक वार रूम सक्रिय रहता है। यह वार रूम योजनाओं की समयबद्ध समीक्षा करता है एवं धरातल पर उन्हें मूर्त रूप देने का कार्य करता है। समय से काम को पूरा करने की इस कार्य संस्कृति का असर पूरे देश में दिखाई देने लगा है।

बालाघाट के सफर में दिखाई दी बदलते भारत की सुनहरी तस्वीर

श्रीमती मुंडे ने कहा कि मैंने जबलपुर से बालाघाट के सफर के दौरान रास्ते चल रहे अनगिनत निर्माण कार्य देखे जो बदलते भारत की एक सुनहरी तस्वीर को प्रस्तुत करते हैं, बदलते भारत को दिखाते हैं। इन्हें देख कर अटल जी की बातें साकार होती नजर आती हैं, कि देश में अच्छी सड़कों का जाल शरीर में धमनियों की तरह होता है। यदि शरीर में एक भी धमनी डेमेज हो जाए तो पूरे शरीर में तकलीफ बढ़ जाती है। उसी तरह यदि देश में गुणवत्ता वाली सड़कें बन जाएं तो देश का विकास तीव्र गति से होना तय है, जो होता हुआ नजर भी आ रहा है। उन्होंने बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र में मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सांख्यिकी सहित बताते हुए कहा कि यहां पर मुद्रा

शेष समाचार एवं फोटो पृष्ठ 04 पर

ऑफिसर्स क्लब भवन में संचालित होगा कलेक्ट्रेट कार्यालय

सिवनी यशोः-नवीन कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण कार्यो के कारण अस्थायी रूप से कलेक्टर कार्यालय को ऑफिसर्स क्लब भवन पर स्थापित किया गया हैं। सोमवार 12 जून को कलेक्टर श्री क्षिजित सिंघल ने धार्मिक विधि विधान से पूजा अर्चना कर कलेक्टर चेम्बर का शुभारंभ किया।

गौवंश का परिवहन करते हुये कार समेत आरोपी गिरफ्तार

सिवनी यशोः- पुलिस अधीक्षक सिवनी द्वारा शनिवार एवं रविवार की दरमियानी रात्रि जिले के सभी थानो में अधिक से अधिक बल द्वारा सघन रात्रि गश्त करते हुये अपराधियो की धरपकड़ हेतू निर्देशित किया गया था। निर्देश के पालन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी पी.एस मरावी के दिशा निर्देश से थाना प्रभारी बण्डोल द्वारा गठित टीम द्वारा रात्रि गश्त के दौरान गोपनीय सूचना के आधार पर ग्राम दिघोरी से गरठिया के बीच मेन रोड पर एक पुरानी हुंडई कार को रोकने का प्रयास किया गया।

जिस पर कार चालक तेज रफ्तार गाड़ी को लेकर बंडोल की ओर भागने लगा। संदेह की पुष्टि होने पर पुलिस द्वारा दोनो ओर से रोड की घेरा बंदी कर गाड़ी चालक को खतरनाक स्थिति में भागते हुये रात्रि करीब 03 बजे पकड़ा गया।

गाड़ी कार MH31-CM-0412 को चैक करने पर उसमें एक ड्रायवर सहित 03 गौवंश जिसमे एक गाय, एक बछड़ा एवं एक बछिया रस्सी से हाथ पैर मुंह बांध कर क्रूरता पूर्वक भरे पाये गये, गाड़ी चालक आरोपी से पूछने पर गौवंश को अमरवाड़ा से लाकर नये रास्ते से नागपुर कत्लखाना ले जाना बताया एवं अपना नाम अजीज उर्फ कैफ पिता सफीक अंसारी उम्र 23 साल नि. मौमीनपुरा नागपुर का होना बताया। जिसे विधीवत् गिरफ्तार कर थाना लाया गया एवं जप्त वाहन को थाना लाया गया, गौवंश को सुरक्षित गौशाला बीझावाड़ा सिवनी पहुंचाया। जप्ती ड्क 03 नग गौवंश कीमति 6000/- एवं एक हुंडई एक्सेंट कार MH31-CM-0412 गिरफ्तार आरोपी – अजीज उर्फ कैफ पिता सफीक अंसारी उम्र 23 साल नि. मौमीन पुरा नागपुर ।सराहनीय कार्य - थाना प्रभारी उनि दिलीप पंचेश्वर, सउनि. डी. पी. श्रीवात्री, सउनि सुमेरचंदउइके, सउनि अशोक सेन प्र. आर. 69 अमर उइके, प्र. आर. 394 सुखराम कुमरे आर. 444 विश्राम, 539 सतीश, 113 सुधीर, आर.87 राजेश सरयाम सै0-124 सहसलाल व 100 डायल स्टाफ सै0 15 दशराम रहे ।

लाड़ली बहना योजना से हमारी बहने होगीं आर्थिक सशक्त - डॉ बिसेन

सांसद के मुख्य आतिथ्य में डोरली छतरपुर मे हुआ लाडली बहना योजना कार्यक्रम

सिवनी यशोः- विगत दिवस सिवनी बालाघाट लोकसभा क्षेत्र सांसद डॉ ढाल सिंह बिसेन के मुख्य आतिथ्य मे लाड़ली बहना योजना कार्यक्रम शाम 05:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय डोरली छतरपुर में आयोजित किया गया द्य मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की महत्वकांक्षी लाडली बहना योजना के कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम सांसद डॉ ढाल सिंह बिसेन के द्वारा कन्या पूजन किया जाकर मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। तदउपरांत सांसद सहित सभी अतिथियों का स्वागत ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

इस दौरान सांसद डॉ बिसेन ने उपस्थित लाडली बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन मध?यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक है।लाड़ली बहना योजना से निश्चित बहने आर्थिक तौर पर

सशक्त होगी। मुख?यमंत्री शिवराज सिंह चौहान महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे हैं। यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा मे मील का पत्थर साबित होगी द्य आज हमारे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा लाड़ली बहना योजना अंतर्गत प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक पात्र बहनों के खाते में पहली बार 1-1 हजार रुपये डाले जा रहे हैं। इस दौरान सभी उपस्थित अतिथियों द्वारा आयोजित लाडली बहना योजना के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के लाइव प्रसारण मे मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना गया। तत्पश्चात सांसद के द्वारा प्रदेश में चलाई जा रही सभी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया गया एवं आगामी समय में सरकार से ऐसे ही जुड़े रहने के लिए आग्रह किया गया ।

इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सरोज पटेल, जिला भाजपा से अधिकृत प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजा मोर्चा राजेश डहेरिया,पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरधारी पटेल उपसरपंच विनोद टेम्भरे, पंच नजफ अली, श्रीमती रीना सूर्यवंशी ,श्रीमती शिरीन अंजुम ,श्रीमती लक्ष्मी परिहार , परवेज खान, मुन्नी बाजी , खिलाड़ी राम साहू ,अकील अली, संदेश सोनी ,महिला बाल विकास विभाग पर्यवेक्षक श्रीमती प्रभावती बनवाले पटवारी, राजेंद्र बघेल पंचायत इंस्पेक्टर, सोमनाथ डेहरिया सचिव , भगवत चंद्रवंशी रोजगार सहायक इरसाद खान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित अनेकों गणमान्य जन, व बडी संख्या में हितग्राही बहनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

लंबित प्रकरणो के निराकरण हेतु कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश

समय सीमा बैठक सम्पन्न

सिवनी यशोः- कलेक्टर क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में सोमवार 12 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी श्रीमती निधि सिंह राजपूत, अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति रही।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंघल ने सीएम हेल्पलाईन प्रकरण, समय सीमा में दर्ज प्रकरण, पीजी पोर्टल की शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिलेवार रैंकिंग तथा 50 दिवस से अधिक समय सीमा से लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर श्री सिंघल ने समाधान ऑनलाईन के लिए चयनित विषयों के साथ 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों में भी त्वरित कार्यवाही कर संतुष्टि से निराकरण दर्ज करने तथा जन शिकायत, सीएम मॉनिट, माननीय सांसद, माननीय विधायकगणों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के पत्रों में त्वरित कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश संबंधित अधिकरियों को दिए। उन्होंने स्वरोजगार मूलक विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्यानुसार पात्र हितग्राहियों के प्रकरण बैंकों को प्रेषित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बरघाट/लखनादौन/घंसौर के ग्राम पंचायत क्षेत्र में 13 जून को सार्वजनिक अवकाश

सिवनी यशोः- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने त्रिस्तरीय पंचायत आम/उप निर्वाचन वर्ष 2023 पूर्वाध्द हेतु जनपद पंचायत बरघाट/लखनादौन/घंसौर के ग्राम पंचायत क्षेत्र एवं ग्राम पंचायत के वार्ड क्षेत्र जहां 13 जून 23 मंगलवार को निर्वाचन होना है। वहां सामान्य अवकाश (निगोशिएबल इन्स्ट्रमेंट्स एक्ट) 1881 (1881 का क्रमांक 26) की धारा -25 के अंतर्गत मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

नवांकुर संस्था देव संस्कृति फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहा ध्यान एवं योग शिविर

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला सिवनी से संबद्ध संस्था देव संस्कृति फाउंडेशन द्वारा ब्लॉक सिवनी सेक्टर क्रमांक 2 के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जा-जाकर एकात्म अभियान के अंतर्गत ध्यान एवं योग का शिविर संपन्न कराया जा रहा है । जिसके तहत ग्राम पंचायत कोहकां, ग्राम पंचायत पीपरडाही, फुलारा ,जमुनिया, कातलबोड़ी,खमरिया, भंडारपुर एवं चावड़ी में तीन दिवसीय ध्यान के शिविर संपन्न कराए गए। यह कार्यक्रम जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला एवं ब्लॉक समन्वयक मोनिका चौरसिया एवं परामर्शदाता श्वेता सोनी की मार्गदर्शन में संपन्न किया जा रहा है श्री राम चंद्र मिशन कान्हा शांति वनम हैदराबाद की हार्टफूलनेस इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षित भाई श्री राम नंदन चौहान जी ने यह शिविर संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका निभाई श्री रामचंद्र मिशन के अंतर्गत यदि हम अपने दैनिक जीवन में सुबह ध्यान एवं शाम के समय अपने अंतःकरण से बुराइयों की सफाई करें एवं सोने के पूर्व प्रार्थना एवं स्मरण करते है तो तनाव से मुक्त होता है और एक खुशहाल जीवन जी सकता है। ध्यान करने से मन की एकाग्रता के साथ संत बुद्धि का विकास होता है।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू/ एवं एमएसडब्ल्यू की पढ़ाई कर रहे छात्र/छात्राएं अकलेश, निधि आकाश चंद्रवंशी ,सोनी अवधिया , द्रोपती साहू प्रियंका चौधरी आदि छात्रों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता दी कार्यक्रम की आयोजक संस्था देव संस्कृति फाउंडेशन के अध्यक्ष रंजीत रानू साहू एवं सचिव अशोक शिववेदी के साथ -साथ संस्था के वॉलिंटियर्स अनिकेत नागेश एवं विशाल कटरे आदि सदस्यों ने भी सहयोग किया । ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कोहका एवं फुलारा के सदस्यों ने भी सहयोग किया।

सिवन विधायक ने मुस्लिम कम्युनिटी हॉल एवं पेंशनर्स संघ भवन हेतु राशि स्वीकृत किया

सिवनी यशोः- सोमवार 12 जून को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुस्लिम कम्युनिटी हॉल के लिये दस लाख रूपये एवं जिला पेंशनर संघ भवन निर्माण हेतु पांच लाख रूपय की राशि स्वीकृत की । ज्ञात हो कि विधायक दिनेश राय मुनमुन से शब्बीर वारसी जी अध्यक्ष जिला हज कमेटी, आसिफ जरदारी सरपंच बोरदई, अफरोज खान, कलीम बख्शी खान, अहफाज खान, शेख शहजादा कुरैशी, आसिफ खान, जमील खान, राजिक खान, शादाब खान, बाबा भाई, शमीम भाई, आशू अंसारी, सहित मो. जिब्राईल मंसूरी द्वारा मुस्लिम कम्युनिटी हॉल के निर्माण हेतु राशि स्वीकृत किये जाने का आग्रह किया था। जिस पर सहमति व्यक्त करते हुए विधायक श्री राय द्वारा मुस्लिम कम्युनिटी हॉल के लिए विधायक निधि से 10 लाख की राशि स्वीकृत कर पत्र प्रदान किया गया। साथ ही 10 लाख व्यय करने के पश्चात और 10 लाख दिये जाने की बात कही। उक्त पत्र को सोमवार को ही प्रतिनिधि मंडल द्वारा सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति मे शहर काजी हाफिज अनीस अंसारी को सौंपा गया। इसके अलावा विधायक श्री राय द्वारा जिला पेंशनर्स एसोसिएशन सिवनी की मांग पर एसोशिएशन के भवन निर्माण के लिए विधायक निधि से 05:00 लाख की राशि स्वीकृत कर उपस्थित पदाधिकारियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया।

जबरन नॉलेज

भारतीय ज्ञान परंपरा में सर्वत्र पेड़-पौधों एवं वनस्पतियों के संरक्षण की है बात

डॉ आनन्द कुमार शर्मा–

भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुशीलन से विदित होता है कि, भारत के आदितम् सभ्य पूर्वजों ने प्रकृति एवं उसके उपादानों, पशु-पक्षियों, पादपों आदि को आध्यात्मिक रूप प्रदान किया है। भारतीय ज्ञान परंपरा में सनातन संस्कृति और पर्यावरण को अविछिन्न रूप से जोड़ा गया है। प्राक् धार्मिक जीवन - पद्धति एवं धर्म का विकास प्रकृति एवं उसकी विभिन्न शक्तियों से प्रभावित होकर हुआ।

इसी कारण चिरकाल से ही भारतीय सांस्कृतिक जीवन में धर्म एवं प्रकृति के संयोग एवं संबंध का चिंतन भारतीय ज्ञान परंपरा ने स्थायी रूप से समाहित किया है। पादप और पाषाण में परमात्मा के दर्शन कराने वाली भारतीय ज्ञान परंपरा ने धर्म में प्रकृति की वंदना को दृढ़ता के साथ स्थापित किया है।

भारतीय संस्कृति का अनुशीलन करते हुए हम अनेक स्थलों पर वृक्ष एवं वनस्पतियों की पूजा एवं उनके संरक्षण की भावना के भाव का उल्लेख पाते हैं। सिन्ध - सरस्वती सभ्यता से लेकर वैदिक काल तक और वैदिक काल से लेकर वर्तमान काल तक हम भारतीय धर्म एवं संस्कृति में प्रकृति - पूजा को निर्वाध एवं निरन्तर रूप से पाते हैं।

तुलसी, पीपल, बरगद, केला, आम्रपत्र आदि वृक्षों की, गंगा, यमुना, सरस्वती आदि नदियों की, सूर्य, चन्द्र, वायु, अग्नि, पृथ्वी आदि के प्रति श्रद्धा एवं पूजा का भाव भारतीयों में हमेंशा रहा है। इसके मूल में हमारे प्राचीन मनीषियों की दूरदर्शिता ही थी, जिन्होंने प्रकृति के इन रूपों को आध्यात्मिक संरक्षण प्रदान किया।

पद्म पुराण में वर्णित है कि, पार्वती के श्राप के कारण विष्णु को पीपल का वृक्ष बनना पड़ा था। भगवतीता में श्रीकृष्ण ने स्वयं को वृक्षों में पीपल कहा है। स्कन्द पुराण में वर्णित है कि, ''जिस घर में प्रतिदिन तुलसी की पूजा होती है, उसमें यमदूत प्रवेश नहीं कर सकते।''

भारतीय धर्मशास्त्रों में पेड़-पौधों और वनस्पतियों के रोपण, पोषण और संवर्द्धन को पुण्य कार्य माना गया है।'' जो व्यक्ति अपने जीवन में एक पीपल, एक नीम और एक बड़ का पेड़ लगाये, दस फूलों वाले वृक्षों और लताओं को रोपण करें, अनार, नारंगी और आम के दो-दो वृक्ष लगाये, वह कभी नरक में नहीं जाता।

इस प्रकार भारतीय धर्म ने प्रकृति को अपना आवरण प्रदान करके, उसके संरक्षण की महान परिपाटी का विकास किया। प्राचीन ऋषि-मुनियों ने प्रकृति एवं पर्यावरण को धर्म से जोड़कर उसके संरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। धर्म को प्रकृति से जोड़ने के मूल में और कुछ नहीं, प्रकृति और उसकी शुद्धि का भाव ही है। यज्ञ पर्यावरण और मन दोनों को पवित्र करता है और दोनों को प्रदूषण से बचाता है।

भारतीय धर्म-संस्कृति ने हमेशा से 'वन' की वंदना की है। वन ने उसे संबल भी दिया है और सहारा भी, शक्ति भी दी है और साधना भी, राग भी दिया है और विराग भी। इस प्रकार प्रकृति एवं पर्यावरण का संबंध भारतीय धर्म में अभिन्न है।

भारतीय धर्म में प्राकृतिक पेड़ - पौधों एवं वनस्पतियों को धर्म से अविछिन्न रूप से संयोजित करते हुए पेड़ - पौधों एवं वनस्पतियों में देवी-देवताओं की प्रतिष्ठा एवं उनका वास मानकर पूजा-अर्चना का विधान किया गया है। इसके साथ ही धार्मिक विधि - विधानों में पेड़ - पौधों एवं वनस्पतियों का प्रयोग अनिवार्य रूप से करके इन्हें धर्म एवं पूजा विधान का आवश्यक अंग बना दिया है।

भारतीय धर्म ग्रंथों में पेड़ - पौधों एवं वनस्पतियों की पूजा अर्चना एवं उनके देवत्व का आरोपण करके प्रकृति और धर्म के संबंध को ठोस तरीके से स्थापित किया गया है। मंत्रदृष्टा वैदिक ऋषियों ने प्रकृति के कण - कण में भगवान के 'वास' और 'प्रकृति' के साथ परम तत्व की भावना को स्थापित किया है। वस्तुतः भारतीय धर्म में प्राकृतिक पेड़-पौधों, वनस्पतियों और वनों को 'देवतुल्य' माना है। सनातन भारतीय धर्म ने प्राकृतिक वनस्पतियों एवं वनों को धार्मिक आवरण देकर न केवल संरक्षण के भाव का बीजारोपण किया अपितु धर्म के साथ अविछिन्न रूप से संयोजित एवं संबंधित कर दिया है। भारतीय सनातन धर्म में वृक्षों को 'वंदनीय' एवं 'पूजनीय' बताया गया है। ऋग्वेद में 'वन को देवी' एवं समस्त 'वन्य जन्तुओं की माता' कहकर संबोधित किया है, ऋग्वेद में वन की देवी 'अरण्यानी' कहकर सम्मानित किया है। वैदिक ग्रंथों में वन-वनस्पति एवं वृक्षों को देवत्व प्रदान करते हुए 'वनानां पतये नमः' एवं 'नमो वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः' कहकर उनके रक्षकों को आदर प्रदान किया गया है।

अथर्ववेद में वनों एवं वनस्पतियों को सुखदायी तथा समस्त प्राणियों का भरण - पोषण करने वाला कहा गया है। अथर्ववेद में एक स्थान पर उल्लेखित है कि, वनों से आच्छांदित तलहटियों से युक्त धरा सबको सुख देती है। वहीं, दूसरे स्थान पर अथर्ववेद में वर्णित है कि, जिस धरा पर वृक्ष व वनस्पतियाँ हमेंशा खड़ी रहती हैं, वह भूमि समस्त प्राणियों का भरण - पोषण करने में सक्षम होती है।

वैदिक ग्रंथों में वृक्षादि को ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण वनसम्पदा, वनस्पति जगत, वृक्षों व उनके संरक्षकों और पालकों को भी 'वन्दनीय' एवं 'पूजनीय' कहा गया है -

÷नमो वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यो
वनानां पतये नमः
वृक्षायो पतये नमः औषधीनां
पतये नमः
वृक्षायां पतये नमः अरण्यानां
पतये नमः।÷

पद्म पुराण में वर्णित है कि, परमात्मा (भगवान) स्वयं कहते हैं कि, सृष्टि रचना के समय मैं पेड़ - पौधों और वनस्पतियों में विद्यमान रहा हूँ तथा माता पार्वती 'बेल' और लक्ष्मी जी 'तुलसी' में निवास करती है। महाभारत में वृक्षों को धर्म से जोड़ते हुए कहा गया है कि, 'वृक्ष धर्म का पुत्र है'। इसके साथ ही महाभारत के आदिपर्व में वृक्षों के महत्व को स्थापित करते हुए कहा गया है कि, ग्राम में एक भी पेड़ पत्रों और फलों से युक्त हो वह ग्राम मन्दिर (चैत्य) के समान पूज्यनीय हैं।

पेड़ - पौधों और वनस्पतियों को 'दैवी शक्ति' से संबंधित करते हुए 'रूद्रहृय उपनिषद्' में उल्लेखित है कि, पेड़ - पौधों में शिव (रूद्र) और लताओं में पार्वती (उमा) का निवास होने के कारण इन्हें नमन करना चाहिए।

उपनिषदों में पेड़ - पौधों में प्राण तत्व को मानकर उन्हें 'चेतन जीव' की तरह माना है, साथ ही उन्हें 'जीवनदायी' माना गया है। 'केन उपनिषद्' में कहा गया है कि, वन, 'ब्रह्मा' है, अर्थात् वनों को 'ब्रह्म' (परमपिता परमात्मा) की संज्ञा दी गयी है। यह वनों के दैवीकरण का प्रतीक है।

यजुर्वेद में पेड़ - पौधों एवं वनस्पतियों को 'देवरूप' अर्थात् देवताओं का रूप बताया गया है, साथ ही इनके दैवीय रूपों और दैवीय शक्तियों से देवताओं को भी सहयोग किया। यजुर्वेद में वर्णित है कि, सुवर्णमयी पत्तों, मधुमय शाखाओं, स्वादिष्ट फलों से युक्त 'वनस्पति देव' ने देवताओं के साथ मिलकर 'इन्द्र' को बढ़ाया।

'वनस्पति देव' अपने अग्रभाग से स्वर्ग को स्पर्श, मध्य भाग से अन्तरिक्ष को एवं मूल जड़ भाग से पृथ्वी को स्पर्श करते हैं, इन गुणों से परिपूर्ण है 'वनस्पति देव' अपने यजमान को धन और शक्ति देने के लिए आपसे प्रार्थना है, अतः आप 'घृतपान' करें। यहाँ यज्ञ के द्वारा 'वनस्पति देव' को आहूति देने का संकेत है।

अथर्ववेद में भी वनस्पतियों को 'देव' कहा गया है। सायण का मत है कि, यह वनों का 'अधिष्ठाता देव' है, जो इसमें अंतर्निहित है। अथर्ववेद में वनस्पति से मृतप्राय पुरूष के जीवन के लिए प्रार्थना की गयी है। अथर्ववेद में ही 'वनस्पति' को वृक्षों और लताओं का राजा कहा गया है। अथर्ववेद में धार्मिक यज्ञ के दौरान पृथिवी के साथ वनस्पतियों को 'देवस्वरूप' मानते हुए यज्ञ में आहूति देने का उल्लेख मिलता है।

अथर्ववेद में वर्णित है कि, एक ऋषि 'वनस्पति वृक्ष देवता' से प्रार्थना करता है कि, वह साधक के लिए सरल और मधुर बना रहे। अथर्ववेद में अनेक स्थानों पर 'वनस्पति देवता' की स्वतंत्र एवं अन्य देवताओं के साथ स्तुति की गयी है।

सनातन भारतीय हिन्दू धर्म पेड़-पौधों और वनस्पतियों को 'देवतुल्य' मानकर उनकी स्तुति और पूजा - अर्चना का वृतान्त सर्वत्र करता है। वनगमन के समय माता सीता एवं भगवान श्रीराम स्वयं पेड़ - पौधों एवं वनस्पतियों को 'देवतुल्य' मानकर उनकी स्तुति, पूजा अर्चना और प्रार्थना करते हैं। रामायण के अयोध्याकाण्ड में वर्णित है कि, जब भगवान श्रीराम और माता सीता वनगमन के समय यमुना नदी को पार करते हैं, तब माता सीता 'वटवृक्ष' की पूजा करतीं हैं, परिक्रमा करतीं है और अपनी मनोकामना 'वटवृक्ष' को देवता स्वरूप मानकर करती है और प्रार्थना करती हुई कहती है कि, 'हे महावृक्ष (वट वृक्ष) मैं आपको सिर झुकाकर नतमस्तक् होकर नमस्कार करती हूँ और प्रार्थना करती हूँ कि, आप ऐसी कृपा करें कि, मेरे पतिदेव वनवास की प्रतिज्ञा को पूर्ण करके तथा हम सभी सकुशल लौटकर माता कौशल्या एवं माता सुमित्रा देवी के दर्शन कर सकें -

''न्यग्रोध समुपागय वैदेही
चाभ्यवन्दत।
नमस्तेऽस्तु महावृक्ष पारयेन्मे
पतिव्रतम्।।
कौसल्यां चैव पश्येम सुमित्रा च
यशस्विनीम्।
इति सीतांजलिं कृत्वा
पर्यगच्छन्मनस्विनी।।''

इसी प्रकार 'चम्पू रामायण' में भी वन, वनस्पतियों और पेड़ - पौधों का दैवीकरण एवं मानवीकरण का वृतान्त मिलता है, जिसमें माता-सीता के अपहरण के बाद भगवान श्रीराम के वियोग में विलाप करते देख 'वन देवताओं' की आँखों में आँसू भर आने का वृतान्त है।

सनातन धर्म पेड़ - पौधों और वनस्पतियों में 'देवत्व' को प्रतिष्ठित करके उन्हें चिरस्थायी संरक्षण प्रदान करता है। वामन पुराण देवी - देवताओं से पेड़ - पौधों और वनस्पतियों की उत्पत्ति बताते हुए कहता है कि, विष्णु की नाभि से कमल, कामदेव से कदम्ब, लक्ष्मी से बिल्व, शिव से धतुरा, गणपति से सेन्दुवार, शेषनाग से सरपत, पार्वती से कुन्दलता, ब्रह्मा से खैर, मणिभद्र यक्ष से बरगद (वट), कात्यायनी से शंमी, वासुकी नाग से दूर्वा, विश्वकर्मा से कटैया, यमराज से पलाश, स्कन्द से बंधूजीव की उत्पत्तिहुई है। अग्नि पुराण और मत्स्य पुराण में 'वृक्षारोपण' और 'वृक्षोत्सव' का वृतान्त मिलता है, जिसमें 'वृक्षारोपण' को समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाला, स्वर्ग के समान फल देने वाला, भोग और मोक्ष प्रदान करने वाला कहा गया है।

बृहदारण्यक उपनिषद् में मनुष्य और पेड़ - पौधों को एक समान मानते हुए। वृक्ष को पुरूष समान चेतन प्राणी माना गया है और जिस प्रकार मनुष्य के शरीर में रोएँ होते है, वैसे ही वृक्षों के पत्ते होते हैं, जैसे मानव शरीर में त्वचा होती है, वैसे ही वृक्षों में छाल होती है। जिस प्रकार मनुष्य की त्वचा में चोट लगने पर खून (रक्त) निकलता है, ठीक वैसे ही वृक्षों को चोट लगने पर रस निकलता है। जिस प्रकार मनुष्य की उत्पत्ति बीज (वीर्य) से होती है, उसी प्रकार वृक्ष भी बीज से उत्पन्न होता है।

वस्तुतः भारतीय ज्ञान परंपरा में सर्वत्र पेड़-पौधों एवं वनस्पतियों के संरक्षण की बात करते हुए, उन्हें नष्ट करने या काटने को प्रतिबंधित करती है। स्कंद पुराण में सभी प्रकार के पेड़ों को काटना निन्दनीय बताया गया है। इसीलिए भारतीय धर्मग्रंथों वनस्पतियों में देवत्व की अवधारणा का विकास हुआ। ऋग्वेद में 'वनस्पतियों में मातृत्व' रूप प्रतिष्ठित करते हुए, उन्हें कभी न नष्ट करने की बात कही गयी हैं। मनु ने भी वनस्पतियों के संरक्षण का विधान बनाते हुए कहा है कि ईंधन के निमिश्र भी हरे-भरे वृक्षों को काटना पाप है। पेड़-पौधों एवं वनस्पतियों को नष्ट करने पर दण्ड का विधान मनुस्मृति में प्राप्त होता है। इस प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा पर्यावरण का महान कोश है।

कन्वर्जन के विरुद्ध जमकरआवाज उठाने वाले थे बिरसा मुंडा

राजेश पाठक–

बांसुरी वादक, चित्रकार बिरसा मुंडा का जन्म झारखंड के आदिवासी ग्राम उन्निहात में 15 नवम्बर 1875 में हुआ था .आगे चलकर जब बड़े हुए तो अध्यापन के लिए अपने पिताजी के साथ वे चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल पहुंचे. पर वहां उन्हें पता चला कि उनकी तो स्कूल में भर्ती हो ही नहीं सकती क्योंकि अभी उनका धर्म हिन्दू है, और जब तक वे ईसाई धर्म स्वीकार नहीं कर लेते उन्हें स्कूल में पढ़ाई से वंचित ही रहना पड़ेगा. बालक मुंडा की पढ़ाई के प्रति शांत न होने वाली तीव्र लालसा के आगे विवश हो उनके सारे परिवार को ईसाई धर्म स्वीकार करना पड़ा. स्कूल में भर्ती करते हुए स्थानीय पादरी नें उनका नाम बदलकर बिरसा डेविड रख दिया.

शिक्षा पूर्ण की, और सबकुछ सामान्य चल रहा था कि उनका संपर्क उस समय के प्रसिद्ध वैष्णव भक्त आचार्य आनंद पाण्डेय से हुआ. उनका सानिध्य पाकर बिरसा के मूल हिन्दू संस्कार पुन÷ चेतन्य हो उठे, और उनका हिन्दू धर्म में लौटने का मार्ग प्रशस्त हुआ.

रामायण, महाभारत, गीता का अध्ययन करते-करते उनके कदम सन्यास के मार्ग की ओर उठ पड़े. चार वर्षों की एकांतवास की कठोर साधना के फलस्वरूप उनका जीवन पूर्ण रूप से बदल चुका था, और अब वे लोगों के सामने पीली धोती, लकड़ी की खड़ाऊ, ललाट पर तिलक तथा यज्ञोपवीत धारण किये हुए एक हिन्दू महात्मा रूप में मौजूद थे.

उनकी प्रेरणा से ईसाई मिशनरियों के बहकावे में आकर हिन्दू धर्म से भटके हुए वनवासी बंधुओं नें पुन÷ तुलसी और गो-पूजा, रामायण का पाठ और सदाचार अपनाना शुरू कर दिया.वनवासीयों में होने वाले इस परिवर्तन को मिशनरीयों ने अपने अस्तित्व पर मंडराने वाले खतरे के रूप में लिया.

उन्होंने राँची के अंग्रेज कमिश्नर के साथ षडयंत्र रच राजद्रोह का आरोप लगवाकर बिरसा को हजारीबाग स्थित बंदीगृह में डलवा दिया. इस कदम के विरुद्ध वनवासी बंधुओं में गहरा रोष व्याप्त हो गया. पर परिस्थिति के आगे वे असहाय थे!

30 नवम्बर 1897 को बिरसा कारावास से मुक्त हुए. दो वर्ष के कारावास नें उन्हें 'विदेशी- स्वदेशी' के अंतर को समझा दिया था.

देश की आज़ादी के लिए कृतसंकल्प, वो चालकद पहुंचे और वहां से उन्होंने वनवासीयों की सभाएं कर जगह ङ्कजगह उनका संगठन करना शुरू किया. शस्त्र-संग्रह और उनका संचालन का प्रशिक्षण देते हुए विरसा नें सबसे सशस्त्र-क्रांति के लिये तैयार रहने को कहा और 24 दिसम्बर, 1899 को वो दिन आया जब क्रांति का शंखनाद करते हुए वनवासी बन्धुओं नें अपने हांथों में तीर-कमान आदि शस्त्र लेकर राँची से लेकर चाईबासा और उसके आसपास के क्षेत्रों को अपना बंधक बना लिया.

प्रशासन के अँगरेज़ अधिकारी और उनके साथ कन्धा से कन्धा मिलाकर काम करने वाले मिशनरी के लोग जहाँ भी दिखते उनको तीरों की होने वाली बोछार का सामना करना पड़ता. देखते ही देखते पुलिस चौकीयां, मिशनरियों के ठिकाने आग के हवाले होने लगे, परिणाम स्वरुप इलाके को सेना को सौंपना पड़ा.

सेना की बंदूकें, बम जैसे आधूनिक शस्त्रों के आगे वनवासी योद्धाओं के अंतत÷ पाँव उखड़ गए. सेकड़ों वनवासीयों का इस युद्ध में बलिदान हुआ; ईसाई मिशनरीयों के इशारे पर सेकड़ों की संख्या में लोगों की गिरफ्तारीयां हुई. और, फौज द्वारा गाँव के गाँव तहस-नहस कर दिये गए सो अलग. बिरसा को विशेष रूप से जंजीर में जकड़ कर राँची की जेल में रखा गया. घोर यातनाओं के बीच अंतत÷ 9 जून, 1900 उनका देहावसान हुआ. लोगों का मानना है कि जेल अधिकारीयों नें बिरसा को विष दिया था.

मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती घोटाला- 80 उम्मीदवारों के खिलाफ FIR के आदेश

भोपाल। व्यापम घोटाला हो या कुछ और कार्रवाई का शिकार हमेशा उम्मीदवार ही होता है। मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती घोटाले में 80 उम्मीदवारों के खिलाफ FIR के आदेश जारी हो गए हैं। इसमें 60 स्कूल शिक्षा विभाग और 17 ट्राइबल डिपार्टमेंट में नौकरी प्राप्त कर चुके थे। तीन उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट में ओवरराइटिंग हुई है। जांच की जा रही है कि यह सर्टिफिकेट कूट रचित है या नहीं। हालांकि अभी तक उस डॉक्टर से पूछताछ भी नहीं हुई है जिसने अपने पद का दुरुपयोग करके रिश्वत के बदले दिव्यांगता के सर्टिफिकेट बनाए थे।

डॉक्टरों को पकड़ो, उन्हीं ने घोटाला किया है

उल्लेखनीय है कि इस मामले का खुलासा एक उम्मीदवार ने भोपाल समाचार डॉट कॉम के जरिए किया था। बताया था कि दिव्यांग कोटे में आरक्षित 755 पदों में से 450 मुरैना जिले से हैं। इनमें से ज्यादातर के दिव्यांगता सर्टिफिकेट हजीरा ग्वालियर और मुरैना से बनवाए गए हैं। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा लगातार इस मामले को फर्जी सर्टिफिकेट कहकर पुकारा जा रहा है, जबकि यह फर्जी सर्टिफिकेट का मामला नहीं है। जितने भी दिव्यांगता प्रमाणपत्र लगे हैं, सभी असली हैं। डॉक्टर के सिग्नेचर ओरिजिनल हैं, लेकिन रिश्वत लेकर बनाए गए हैं। इसके लिए जितना उम्मीदवार जिम्मेदार है उससे ज्यादा डॉक्टर जिम्मेदार है।

विज्ञान नेता प्रमाण पत्र घोटाले में ग्वालियर की भूमिका

ग्वालियर-चंबल संभाग सहित टीकमगढ़, छतरपुर जिलों में बहरे या कम सुनने का दावा करने वाले लोगों की जांच के लिए सरकारी अस्पतालों में कोई ऑडियोलॉजिस्ट ही पदस्थ नहीं है। इसके चलते बैरा और ऑडियोमेट्री की जांच के लिए जिला विकलांग पुनर्वास केंद्रों को ग्वालियर के जेएएच (जयारोग्य चिकित्सालय) भेजना पड़ता है। वहां से ऑडियोमेट्री या बैरा रिपोर्ट आवेदक द्वारा ही बोर्ड के सामने पेश किया जाता है। बोर्ड ने भी इस जांच रिपोर्ट का प्रमाणीकरण करवाए बिना विकलांग प्रमाण पत्र जारी कर दिया। कहा जा रहा है कि इसी लूप का फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने में उपयोग किया गया। जांच में ये तथ्य सामने आए हैं कि कुछ टीचरों ने खुद से तैयार की गई ऑडियोमेट्री और बैरा रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड से दिव्यांग प्रमाण पत्र हासिल किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस तरह की रिपोर्ट 15 से 20 हजार रुपए में तैयार हो जाती है।

बिछिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की टिफिन बैठक आयोजित

मण्डला यशोः- भारतीय जनता पार्टी महाजनसंपर्क अभियान के तहत बिछिया विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक आयोजित हुई इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण 9 साल के ऐतिहासिक सफर के विषय में परस्पर संवाद किया गया । भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी ने वरिष्ठजनों का सम्मान किया एवं भाजपा के आगामी कार्यक्रमों को लेकर उनसे सुझाव मांगे बैठक में जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे, सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में छह महिला न्यायाधीशों की सेवा समाप्त

राज्य के विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने सेवा समाप्ति की अधिसूचना जारी कर दी है।

भोपाल। मध्य प्रदेश की छह महिला न्यायाधीशों की सेवा समाप्त कर दी गई है। परिवीक्षा अवधि के दौरान इनकी कार्यप्रणाली असंतोषजनक और कार्य का सफलतापूर्वक निर्वहन नहीं करना पाया गया था। उच्च न्यायालय ने इन न्यायाधीशों की सेवा समाप्ति की अनुशंसा की थी, जिसके बाद राज्य के विधि एवं विधायी कार्य

विभाग ने सेवा समाप्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। पिछले माह आठ से 10 मई के बीच मध्य प्रदेश प्रशासनिक समिति की बैठक हुई थी, बाद में 13 मई को फुल कोर्ट मीटिंग में इस पर अंतिम फैसला किया गया था।

संतोषजनक नहीं रहा कार्य

छह महिला न्यायाधीशों में उमरिया में पदस्थ द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश सरिता चौधरी, रीवा जिले के त्योंथर की द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश रचना अतुलकर जोशी, इंदौर के डा. आंबेडकर नगर की प्रथम व्यवहार न्यायाधीश प्रिया शर्मा, मुरैना में पदस्थ पंचम व्यवहार न्यायाधीश सोनाक्षी जोशी, टीकमगढ़ की पंचम व्यवहार न्यायाधीश अदिति शर्मा और हरदा के टिमरनी में पदस्थ व्यवहार न्यायाधीश ज्योति बरवड़े की सेवा समाप्त कर दी गई है।

कन्वर्जन के दबाब ने ली नेशनल प्लेयर की जान

जबलपुरमें फिर एक संगीन मामला सामने आया है. दरअसल 5 जून को बेसबॉल की नेशनल प्लेयर संजना बरकड़े ने 5 जून को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी. पहले पुलिस इस मामले को सामान्य आत्महत्या का मानकर चल रही थी लेकिन पुलिस जाँच में जो बात सामने आई उसने सबको चौंका दिया.

दरअसल संजना बरकड़े ने एक लव जिहादी से परेशान होकर आत्महत्या की थी. रेहड़ी लगाने वाले जिहादी अब्दुल मंसूरी ने पहले उससे राजन बन दोस्ती की और उसके बाद वह आए दिन उसे प्रताड़ित करने लगा. इस मामले में फिर एक बार जिहादी द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग का मामला सामने आया है. अब्दुल ने इन्स्टाग्राम के माध्यम से पहले नाबालिग खिलाडी से दोस्ती की और फिर भरोसा जीतकर मेलजोल बढाया.

इसी के बीच उसने नाबालिग खिलाडी के कुछ निजी चित्र ले लिए जिनकी बदौलत अब्दुल आए दिन संजना और उसके परिवार को परेशान करने लगा. इतना ही नहीं अब्दुल ने संजना के फोटो सोशल मीडिया पर भी अपलोड कर दिए जिससे संजना डिप्रेशन में चली गई थी. अब्दुल संजना के परिवार को भी धमकाता था वह उन्हें अपनी बेटी को इस्लाम अपनाकर उससे निकाह करने का भी दबाव बनाता था. अब्दुल की प्रताड़ना से परेशान होकर उसने 5 जून को अपने माता-पिता की अनुपस्थिति में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने जिहादी अब्दुल मंसूरी को रीवा से गिरफ्तार कर लिया है.

राष्ट्रीय सेवा भारती- शिशुग्रह कार्मिकों एवं कार्यकर्ताओं का सामूहिक प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

इन्दौर।राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा देशभर में संचालित मातृछाया शिशुगृह कार्मिकों एवं कार्यकर्ताओं का सामूहिक प्रशिक्षण वर्ग इन्दौर के श्री अग्रसेन महासभा भवन में आज संपन्न हुआ।दो दिन तक चले इस वर्ग में सेवा भारती के अलावा शिशुगृहों की मानक कार्यविधि, एडॉप्शन प्रक्रिया एवं नए बदलाव समेत विविध विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि मातृछाया शिशुगृह के माध्यम से 0-6 वर्ष के नवजात, निराश्रित, परित्यक्त, अनाथ (स्वनाथ) शिशुओं का पालन पोषण कर उन्हें दम्पतियों को कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से गोद दिया जाता है।

इस कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग में पूरे देश की मातृछाया शिशुगृहों से 14 प्रांत के कुल 57 कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण वर्ग के उद्?घाटन सत्र के मुख्य वक्ता विजय पुराणिक संयुक्त महामंत्री राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा बताया गया कि इस कार्यकर्ता प्रशिक्षण के द्वारा सभी मातृछाया, शिशुगृहों का संकलन समन्वय और बच्चों के कल्याण के क्षेत्र में चहुमुखी विकास करना है।

उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति की संकल्पना से विकसित हुआ नाम ÷मातृछाया÷ है। मातृछाया शिशुगृहों में भारतीय संस्कृति के अनुसार शिशुगृहों का आयु अनुसार संस्कारों की अभिपूर्ति की जाती है।

वर्ग की अध्यक्षता दाणी सेवा न्यास के अजय वैश्यपन द्वारा की गई। श्रीमती कशीश जी सतवानी आदर्श ग्राम विकास एवं समाज सेविका ने मातृछाया शिशुगृह इंदौर की व्यवस्था एवं संचालन की सराहना की। इस अवसर पर अनुराग पाण्डे मध्य प्रदेश राज्य बाल संरक्षण आयोग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दो दिनों का यह समय वर्ग - 8 सत्रों में विधिपूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ग में अनेक सत्रों में सीसीएफ के राष्ट्रीय सचिव डॉ कृपा शंकर चौबे, प्रदीप सक्सेना द्वारा तकनीकी विषयों खासकर एडॉप्शन, जे .जे एक्ट तथा पोस्को पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

सिर में दुपट्टा, हाथ में रुद्राक्ष लेकर नर्मदा की पूजा करने पहुंची प्रियंका गांधी

*प्रियंका गांधी ने की नर्मदा घाट में पूजा
*कमलनाथ समेत कई नेता थे मौजूद
*एमपी में किया चुनाव अभियान की शुरुआत
*101 ब्राह्मणों के साथ की नर्मदा पूजन

जबलपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने एमपी विधानसभा चुनाव प्रचार की अभियान की शुरुआत की। जबलपुर पहुंची प्रियंका गांधी ने सबसे पहले नर्मदा भैया की पूजा की। हाथ में रुद्राक्ष लेकर प्रियंका गांधी नर्मदा नदी के तट पर पहुंची। प्रियंका गांधी के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ भी मौजूद थे। प्रियंका गांधी ने आज जबलपुर से कांग्रेस के मेगा प्रचार अभियान की शुरुआत की। प्रियंका गांधी ने सबसे पहले ग्वारीघाट पर 101 ब्राह्मणों के साथ नर्मदा पूजन की और फिर महाआरती की। बीजेपी समेत कई लोगों ने प्रियंका गांधी की नर्मदा पूजन को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने प्रियंका गांधी की नर्मदा पूजा पर सवाल उठाए। नरोत्तम मिश्रा ने कहा- प्रियंका गांधी वाड्रा जी चुनावी हिंदू हैं। जिन्हें चुनाव के समय ही मंदिर, गंगा और नर्मदा मैया की याद आती है। प्रदेश की जनता कांग्रेस के इस पाखंड को अच्छी तरह समझती है। वहीं, कई लोगों ने प्रियंका गांधी की पूजा पर सवाल भी उठाए हैं।

20 मिनट तक की पूजा

प्रियंका गांधी ने नर्मदा नदी के ग्वारीघाट में ब्राह्मणों के साथ करीब 20 मिनट तक पूजा की। बता दें कि नर्मदा में के ग्वारीघाट में हर दिन शाम को 7 बजे के बाद भव्य आरती की जाती है। लेकिन प्रियंका गांधी ने नर्मदा पूजा करने के बाद सुबह 11 बजे के करीब आरती की। नर्मदा नदी में पूजा करने के बाद प्रियंका गांधी ने सभा को संबोधित किया। यहां सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि एमपी में धनबल से लोकतंत्र को कुचला जाता है।

प्रियंका की सुरक्षा के कड़े इंतजाम

प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए हैं। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर खतरे का अलर्ट मिला था जिसके बाद मध्यप्रदेश की पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा।

आशीष अग्रवाल द्वारा प्रकोष्ठ के मंडल संयोजकों की नियुक्तियां

सिवनी यशोः- भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्री आशीष अग्रवाल द्वारा प्रकोष्ठ के मंडल संयोजकों की नियुक्तियां कर दी गई हैं। श्री अग्रवाल द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा एवं व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री शरद अग्रवाल के निर्देशानुसार भाजपा जिला अध्यक्ष श्री आलोक दुबे के मार्गदर्शन एवं संबंधित मंडल अध्यक्षों की सहमति से जिले के सभी 25 मंडलों में पार्टी के सक्रिय, ऊर्जावान एवं व्यापार जगत से जुड़े कार्यकर्ताओं को मंडल संयोजक का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

श्री आशीष अग्रवाल द्वारा उत्तर सिवनी नगर मंडल से श्री गप्पू तिवारी एवं दक्षिण मंडल से श्री गौरी शंकर शर्मा को मंडल संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। इसी तरह मुंगवानी मंडल से श्री अर्पित जैन, सुकतरा से श्री भगवत राय, करकोटी से श्री पवन राहंगडाले, लखनवाडा से ओमकार चंद्रवंशी को व्यापारी प्रकोष्ठ का मंडल संयोजक नियुक्त किया गया है। श्री अग्रवाल द्वारा बीजादेवरी मंडल से संदीप साहू, आदेगांव से उमंग नेमा, लखनादौन से प्रहलाद गोल्हानी,धूमा से राहुल अग्रवाल, कहानी से रूपचंद गोल्हानी, धनोरा से कृष्ण कुमार अग्रवाल, केदारपुर से दुलेश यादव एवं घंसौर के श्री मनीष जैन को यह जिम्मेदारी दी गई है।

जबकि इसी तरह श्री अग्रवाल द्वारा केवलारी मंडल मंडल के श्री चमन सिंह बघेल, उगली के श्री संजय राहंगडाले, पलारी से नारायण प्रसाद साहू, बंडोल से राकेश अग्रवाल, धारना से शिवकुमार हिरणखेड़े, बरघाट से राहुल चौधरी, गंगेरूआ से गणेश पटले, कुरई से दीपक अग्रवाल, कान्हीवाड़ा से प्रशांत अवधिया, छपारा से प्रशांत ठाकुर एवं चमारी मंडल से श्री मुकेश साहू को व्यापारी प्रकोष्ठ का मंडल संयोजक नियुक्त किया गया है।

पार्टी के सभी नवनियुक्त मंडल संयोजकों को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी गई हैं।व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्री आशीष अग्रवाल द्वारा भी सभी मंडल संयोजकों से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे अपने अपने मंडलों में संगठन और व्यापारी प्रकोष्ठ से जुड़े कार्यों को गति देंगे साथ ही प्रदेश एवं केंद्र सरकार द्वारा व्यापारियों की सुविधाओं एवं उन्नति के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचे इस हेतु व्यापारी बंधुओं से निरंतर जनसंपर्क करते रहेंगे।

जंगल से गांव में आया भालू,एक मकान में 12 घंटे रहा कैद, सात फीट ऊंची दीवार फांदकर भागा

बालाघाट। बालाघाट जिले में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी से जंगल के नदी नाले पूरी तरह से सूख चुके हैं। ऐसे में वन्य प्राणियों को पानी नहीं मिलने से प्यास बुझाने बस्तियों की ओर रूख करना पड़ रहा है। इधर शनिवार को रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम उमरवाड़ा में अलसुबह सवा चार बजे जंगल से एक मादा भालू उम्र करीब 13 वर्ष गांव में घुस गया।भालू को पकड़ने के लिए चार परिक्षेत्र के अलावा सिवनी पेंच की टीम पहुंची।उसके बाद भी पकड़ में नहीं आया और भालू 12 घंटे एक मकान में कैद रहने के बाद वन अमले को चकमा देकर सात फीट से अधिक ऊंचाई वाली दीवार फांदकर जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम उमरवाड़ा से खड़गपुर का जंगल लगा हुआ है और ये पूरे जंगल रमरमा, सिलेझरी, बोटेझरी, सोनेवानी के अलावा सिवनी पेंच से जुड़े होने के चलते बहुतायात वन्यप्राणी आ गए हैं,जो विचरण करते हुए कई बार बस्तियों व खेतों में तक आ जाते हैं। शनिवार की अलसुबह करीब चार बजे गांव में विचरण करता हुआ एक मादा भालू देखा गया। जिससे देखने के बाद पूरे गांव में इस बात की खबर फैल गई और धीरे-धीरे ग्रामीण एकजुट होने लगे।बताया जा रहा है कि विजय पिता दशरथ राहंगडाले को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है,जो अपने कच्चे मकान को तोड़ रहे थे उस मकान में भालू सुबह लगभग पांच बजे घुस गया।इससे मकान के लोग घबराकर बाहर आ गए और दरवाजे को बंद कर दिया।जिस पर उक्त ग्रामीण ने दरवाजा की कुंदी बाहर से लगाकर इसकी सूचना ग्रामीणों व वन विभाग को दी गई।

पिंजरा लेकर पहुंचा था वन अमला एक मकान में भालू के कैद होने की जानकारी मिलते ही वारासिवनी, खैरलांजी, कटंगी, बालाघाट वन परिक्षेत्र का अमला मौके पर पिंजरा लेकर पहुंचा है।यहां बचाव दल द्वारा मकान के अंदर घुसे भालू को पिंजरे में पकड़ने का लगातार प्रयास किया गया,लेकिन सुबह से मकान के अंदर रहे भालू का दोपहर तक रेस्क्यू नहीं कर पाए।हालांकि पुलिस भी लगातार मौके पर तैनात होकर भीड़ को हटाते रही।पर भालू ने चकमा देकर सात फीट से अधिक ऊंची की दीवार से छलांग लगाकर बाहर निकल गया।जिसे वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से जंगल की ओर भिजवा दिया।

ये लोग हुए घायल

जानकारी के अनुसार धनलाल पिता नरबद राणा 52 वर्ष जो की अपने मकान का दरवाजा बंद कर रहा था,जिस पर भालू ने हमला करके घायल कर दिया।घायल को वन विभाग की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में भर्ती किया गया,जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।बताया जा रहा है कि घायल का उपचार करवाने वन विभाग की तरफ से मदद की जाएगी।इसके अलावा भालू ने एक बकरी को भी घायल किया है।

गांव से 200 मीटर दूरी पर हैं जंगल। सवा सात बजे तक खैरलांजी, वारासिवनी, कटंगी, बालाघाट की टीम पहुंची थी। भालू ने आधा घंटे तक पहले गांव में किया विचरण। अलसुबह साढ़े चार बजे से लेकर शाम चार बजे तक एक कच्चे मकान में कैद रहा भालू। तीन बजे एक बार पिंजरा में घुसा था भालू। दूसरी बार सवा तीन बजे पिंजरे में थोड़ा घुसा। सिवनी पेंच से एक विशेषज्ञ, एक परिक्षेत्र अधिकारी आए थे। खैरलांजी,वारासिवनी,कटंगी,बालाघाट सहित सिवनी पेंच के करीब 30 से अधिक अमला रहा मौजूद। सुरक्षा के लिहाज से रामपायली थाना से आधा दर्जन पुलिस सुबह से शाम तक रही तैनात। एक दिन पूर्व गांव में घुसा था चीतल।

डीएफओ का यह कहना है

जंगल से भटककर ग्राम उमरवाड़ा में एक भालू घुस गया था। भालू एक व्यक्ति के कच्चे मकान में कैद था,जिसको पकड़ने के लिए बालाघाट, खैरलांजी, कटंगी, वारासिवनी पिंजरा लेकर मौके पर था। साथ ही सिवनी पेंच से विशेषज्ञों की टीम आई थी।हालांकि भालू कच्चे मकान की दीवार कूदकर जंगल तरफ चला गया।भालू के हमले से एक व्यक्ति व एक मवेशी घायल हुआ है।

मॉनसून से पहले जंगल में छोड़े जाएंगे और चीते, बारीकी से की जा रही व्यवहार की मॉनिटरिंग

कूनो नेशनल पार्क मैनेजमेंट और एक्सपर्ट्स का कहना है कि अभी आठ चीते खुले जंगल में हैं और 9 चीते बाड़े में. चीतों के व्यवहार की मॉनिटरिंग बारीकी से की जा रही है.

भोपाल। मॉनसून की दस्तक से पहले कूनो नेशनल पार्क के बाड़े स्थित कुछ और चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाएगा. इसे लेकर कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन, विभागीय अफसर और विशेषज्ञों के बीच मंथन चल रहा है. बता दें, कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में आठ चीते भेजे जा चुके हैं. इनमें चार नर और चार मादा शामिल हैं, जबकि नौ चीते बाड़े में है. बताया जा रहा कि विशेषज्ञ और कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन के आपसी मंथन के बाद निष्कर्ष निकला है कि 6 और चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाएगा.

इसी सप्ताह छोड़े जाएंगे चीते

बता दें विभागीय स्तर पर हुए मंथन के बाद खुले जंगल में रह रहे चीतों के व्यवहार की मॉनिटरिंग बारीकी से की जा रही है. साथ ही कूनो नेशनल पार्क में रह रहे चीतों पर भी नजर बनाए हुए हैं. अब निर्णय लिया गया है कि इसी सप्ताह कुछ और चीतों को खुले जंगल में छोड़ दिया जाएगा. चीतों को खुले जंगल में छोड़ने का निर्णय चीता परियोजना संचालन समिति की टीम द्वारा किए गए कूनो पार्क के भ्रमण के बाद लिया गया है.

आशा भी लौट आई शिवपुरी

श्योपुर डीएफओ पीके वर्मा के अनुसार अभी खुले जंगल में आठ चीते हैं, जिनमें मादा चीता आशा शिवपुरी-अशोक नगर के बॉर्डर के आसपास है. हालांकि आशा को भी शिवपुरी लौटते हुए ट्रैक किया गया है. वहीं कूनो के जंगल में अभी सात चीते हैं जिनमें गौरव, शौर्य, वायु, अग्नि, धात्री, गामिनी और नीरवा कूनो नेशनल पार्क की सीमा में विचरण कर रहे हैं. अन्य चीतों को भी खुले जंगल में छोड़ने पर सहमति बनी है.

गौरतलब है कि चीतों को जंगल के अलावा आसपास के इलाके भी पसंद आने लगे हैं. यही वजह है कि चीते अब पार्क की सीमा लांघकर आसपास घूमने लगे हैं. नर चीते पवन के बाद अब मादा चीता आशा को शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क के आस-पास घूमते देखा गया था. इसलिए बीते 15 दिन से कूनो नेशनल पार्क एरिया के जंगलों की सीमा के बाहर भी आशा आने-जाने लगी है.

80% लोग कमजोर पासवर्ड के कारण होते हैं हैकर्स का शिकार

भोपाल। आप का जन्मदिन ,आप के गाड़ी का नम्बर और आप का मोबाइल नम्बर। ये कुछ ऐसे पासवर्ड हैं जिनका उपयोग बहुत सारे यूजर करते हैं और इन्हें साइबर एक्सपर्ट और दूसरी संस्थाएं सबसे कमजोर मानती हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा, लेकिन दुनिया में सबसे अधिक 12345 और 00000 का पासवर्ड के रूप में उपयोग किया जाता है। कई कंपनियों का डिफॉल्ट पासवर्ड भी इन दोनों में से कोई एक होता है। साइबर हैकर को इन्हीं को निशाना बनाते हैं। साइबर पुलिस ने अपील की है कि अपना पासवर्ड अल्फा न्यूमेरिक बनाएं ताकि इसे ब्रेक नहीं किया जा सके। उदाहरण के तौर पर बर्थ डेट के साथ मोबाइल के नंबर मिक्स करें और इसमें अपने सरनेम के लेटर भी एड कर लें। इस कोड को अच्छे से नोट करके रख लें। ऐसे यूनिक कोड ब्रेक करने में साइबर हैकर को सफलता नहीं मिलेगी। श्रुतकीर्ती सोमवंशी, डीसीपी, साइबर क्राइम का कहना है कि एकाउंड होल्डर्स और स्मार्ट डिवाइस यूजर्स को यूनिक पासवर्ड अपनाना होगा। इससे डिवाइस हैक होने के बावजूद जालसाज कई ऐप को ओपन नहीं कर पाएंगे।

छपारा राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के किनारे से हटाया अतिक्रमण, अतिक्रमणकारियों में मचा हड़कंप

सिवनी यशोः- सिवनी जिले के छपारा राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के पास कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था। छपारा बाइपास से पुलिस बल की मौजूदगी में एनएचएआई की भूमि पर किए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई है। इस दौरान छपारा थाना का पुलिस बल भी यहां मौजूद रहा। अतिक्रमण छपारा और चमारी मार्ग को जोड़ने वाले स्थान के पास और बाइपास स्थित सड़क मार्ग के आमने-सामने किया था, जिसे हटाने की कार्रवाई की है। वहीं लोगों ने सर्विस सेंटर भी अवैध तरीके से बना लिया था, जिसे भी हटाया है। इस दौरान अतिक्रमणकारी भी मौके पर नजर आए। हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से अतिक्रमण हटाया है।

बताया जाता है कि लखनादौन से खवासा तक एनएचएआई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रहा है। एनएचएआई जांच कर रहा है कि कितने और लोगों ने अतिक्रमण किया है, उन्हें भी हटाया जाएगा। दोबारा अतिक्रमण न करने के लिए समझाईश भी दी जा रही है। वहीं बिना अनुमति के सर्विस सेंटर बनाए जाने वालों पर भी कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल एनएचएआई की इस कार्यवाही से हड़कंप मचा हुआ है।

भोपाल सतपुड़ा भवन में लगी भीषण आग, महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल मे जहाँ मंत्रालय के सामने स्थित सतपुड़ा भवन में सोमवार शाम को भीषण आग लग गई। वहीं आग लगने के बाद सतपुड़ा भवन में हड़कंप की स्थिति बन गई है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि सबसे पहले तीसरी मंजिल में आग लगी, जो बढ़कर चौथी मंजिल तक पहुंच गई। आग में ट्राइबल और हेल्थ डिपार्टमेंट के महत्वपूर्ण दस्तावेज जलने की आशंका जताई जा रही है। वहीं बिल्डिंग की पांचवीं और छठवीं मंजिल तक आग की लपटें उठ रही हैं। आग लगने के बाद हड़कंप की स्थिति बन गई। सुरक्षा के लिहाज से बिल्डिंग को खाली करा लिया गया। नगर निगम की फायर ब्रिगेड आग पर काबू करने में लगी हुई है।

सतपुड़ा भवन के थर्ड फ्लोर पर स्थित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं के दफ्तर से आग शुरू हुई। इसने चौथी मंजिल पर स्थित स्वास्थ्य संचालनालय को चपेट में ले लिया। हेल्थ डायरेक्टोरेट के पांचवीं और छठवीं मंजिल तक आग की लपटें जा रही हैं। पूरी बिल्डिंग को खाली करा लिया गया है। ताकि, आग से कोई जनहानि न हो। परिसर में अधिकारी-कर्मचारियों की भीड़ लग गई। आग की वजह अभी साफ नहीं हो गई है। दो दर्जन से ज्यादा दमकलें आग बुझाने में लगी हुई है।

डस्ट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा ड्राइवर और कंडक्टर घायल, क्रेन की मदद से निकाला गया बाहर

सिवनी यशोः-सिवनी जिले के आदिवासी बाहुल्य विकासखंड घंसौर के अंतर्गत आने वाले कलकुही ग्राम के समीप आज सुबह लगभग 10ः30 बजे डस्ट (राख) से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें ड्राइवर और कंडक्टर घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घंसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पावर प्लांट से डस्ट भरकर जबलपुर ले जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर कलकुही ग्राम के पास पलट गया। जहां ड्राइवर और कंडक्टर डस्ट के नीचे दब गए। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने घंसौर पुलिस और 108 वाहन में दी और क्रेन की मदद से दोनों को ट्रक के नीचे से निकाला गया।

साथ ही 108 वाहन में स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर लाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची घंसौर पुलिस की ओर से पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और लोगो से पूछताछ की जा रही है है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर यह हादसा कैसे हुआ। वहीं घायलों के संबंध में जानकारी भी जुटाई जा रही है।

एक भाई ने उठा ली करोड़ों बहनों की जिम्मेदारी – चैतन्य भट्ट

सिवनी यशोः- हिंदू संस्कृति में भाई बहन का रिश्ता सबसे पवित्र माना जाता है, रक्षा बंधन पर जब कोई बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है तब उसका भाई ताजिंदगी उसकी रक्षा करने, उसे सुखी रखने की शपथ लेता है, बहन के हर सुख दुख का सबसे बड़ा भागीदार उसका भाई ही होता है और भाई बहन के इसी पाकीजा रिश्ते को साकार कर दिया है प्रदेश के संवेदनशील यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने। प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खाते में एक क्लिक के माध्यम से एक एक हजार रुपए उनके खाते में पंहुचा कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सेवाभावी राजनीति एक नया इतिहास रच दिया । इतना ही नहीं बल्कि उन लाडली बहनों को ये विश्वास भी दिलाया कि ये राशि आगामी भविष्य में तीन हजार रुपया हो जाएगी इसके साथ साथ इस योजना का लाभ जो अभी तेईस वर्ष से ऊपर की विवाहित महिलाओं को मिलने वाला है उसकी उम्र घटा कर इक्कीस वर्ष कर दी ।

एक भाई और करोड़ों बहनें क्या किसी भाई के लिए ये संभव है कि वो अपनी करोड़ों बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सके जाहिर तौर पर इसका उत्तर ना ही होगा लेकिन अपनी धुन के पक्के और पूरे प्रदेश के बच्चे बच्चियों के मामा शिवराज सिंह ने इस नामुमकिन काम को मुमकिन करके दिखला दिया , लाडली बहना नाम की अनूठी योजना के अंतर्गत प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खाते में एक एक हजार रुपए डालने का साक्षी बनने का अवसर मिला महाकोशल के हृदय स्थल कही जाने वाली संस्कारधानी याने जबलपुर को

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी संवेदना के लिए मशहूर हैं अतिवृष्टि या ओलावृष्टि से किसानों की नष्ट फसल के दौरान उन्हें गले लगा कर उन्हें मुआवजा देने की घोषणा करना, किसी बीमार बच्चे के इलाज के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से जरूरत की धनराशि देने का निर्णय हो, सुदूर गांव में रहने वाली बच्चियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल देने का वायदा हो या फिर समाज के किसी भी व्यक्ति को जो किसी संकट में उसे उस संकट से उबारने में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जो आत्म संतोष मिलता है वही उनकी सबसे बड़ी खूबी कही जा सकती है

शिवराज सिंह को प्रदेशकी जनता एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक भाई, एक दोस्त एक मददगार के रूप में देखती हैं ,लाडली बहना योजना देश की पहली ऐसी योजना है जिसकी कल्पना भी किसी अन्य राजनेता या किसी अन्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने नहीं की होगी अपने प्रदेश की आधी आबादी जिसे मातृशक्ति कहा जाता है उसे घर बैठे हर माह एक हजार रूपये की आर्थिक मदद देने का जो सपना मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने देखा था उसे जमीनी हकीकत भी बना दिया यह उनकी महिलाओं के प्रति श्रद्धा भाव का परिचायक कहा जा सकता है। समाज के जिस तबके की महिलाओं को इस लाडली बहना योजना का लाभ मिलेगा वो समाज के उस तबके का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसमे पुरुषोंका वर्चस्व है उस वर्ग की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके हाथ में प्रतिमाह एक हजार रुपए देने की जो सोच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दिलो-दिमाग में छाई थी उसे उन्होंने पूरा भी कर दिखाया ।

इस पुरुष प्रधान समाज में नारी को हमेशा दोयम दर्जे पर रखा गया है लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं के प्रति जो संवेदनशीलता दिखाई उसने न केवल प्रदेश की बच्चियों, युवतियों, महिलाओं को एक संबल दिया उन्हें ना केवल यह एहसास दिलाया कि वे किसी भी पुरुष से कम नहीं हैं बल्कि नारी शक्ति की महिमा से भी उन्हें अवगत कराया, मां दुर्गा का प्रतिरूप बताते हुए उन महिलाओं को इस बात का भी अर्थ भी समझाया कि यदि वे आत्मनिर्भर होंगी तो उनका परिवार भी आत्मनिर्भर हो सकेगा ।

जबलपुर में एक क्लिक में प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खाते में एक एक हजार रुपए प्रतिमाह पहुंचाने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने इस योजना का न केवल प्रारूप बनाया उसे सोचा बल्कि उसे कार्य रूप में परिणित भी कर दिया, सबसे बड़ी बात तो ये भी है कि अपनी बहनों के लिए उनका हाथ अभी आगे और खुलने वाला है। जबलपुर में हुए कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट रूप से घोषणा की कि जैसे-जैसे पैसों का इंतजाम होता जाएगा बहनों के खातों में यह राशि बढ़ती जाएगी और बढ़ते बढ़ते तीन हजार रूपये प्रति माह यानी छत्तीस हजार रूपये प्रति वर्ष पहुंच जाएंगे ।,अभी तक इस योजना के तहत 23 वर्ष से ऊपर की विवाहित महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा था लेकिन जब उन्हें यह जानकारी मिली कि अनेक परिवारों में इक्कीस वर्ष में भी बेटी का कन्यादान कर दिया जाता है उसी क्षण उन्होंने इस बात की भी घोषणा कर दी कि अब इस योजना का लाभ 21 वर्ष की शादीशुदा महिलाओं को भी मिलेगा।

दरअसल लाडली बहना योजना ना केवल उन्हें आर्थिक लाभ देने की एक कोशिश है बल्कि उनके मन में इस बात का भी एहसास कराने का एक प्रयास है कि वे साक्षात लक्ष्मी है उनके हाथ में भी पैसा है और जिसे वे अपनी इच्छा अनुसार खर्च कर सकती हैं वरना भारतीय परिवार में किसी भी महिला को पैसा खर्च करने के लिए पति के सामने हाथ फैलाना पड़ता है शायद यही कारण था कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी बहनों की इस पीड़ा को महसूस किया और प्रदेश की आधी आबादी के इस दर्द ने इस अभिनव योजना को जन्म दिया, जिसके तहत वर्तमान में एक हजार रूपये प्रतिमाह और आगामी वक्त में तीन हजार रुपए प्रति माह लाडली बहनों के खाते में जमा होती रहेगी । कहते हैं जिस देश का राजा संवेदनशील होता है देश की प्रजा खुशहाल, सुखी होती है यद्यपि अब राजतंत्र नहीं रहा फिर भी प्रदेश के मुखिया होने के नाते मुख्यमंत्री भी अपने देश का राजा ही कहा जाता है रात दिन लोगों की भलाई के लिए चिंतित रहना ,किस तरह प्रदेश को हर क्षेत्र में ऊंचाई तक ले जाया जा सके, हर तबके की चिंता करना ,यह प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का सबसे बड़ा गुण है जो उन्हें आम राजनेताओं से अलग करता है ,लाडली बहना योजना निसंदेह राजनीतिक इतिहास में एक मिसाल मानी जाएगी यह कहने में कोई संकोच नहीं है।

ग्रामीण अंचल मवई में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

बिछिया के बेटे डॉक्टर विजय आनंद मरावी के नेतृत्व में लगाया गया निशुल्क चिकित्सा शिविर

मंडला यशोः- तहसील के अंतर्गत ग्रामीण अंचल मवई में निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत सरस्वती पूजन के साथ की गई इस दौरान स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ अतिथियों का सम्मान किया गया इस दौरान इंग्लिश बालक छात्रावास अधीक्षक द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

जिसमे बिछिया निवासी डॉ विजय आनंद मरावी जो कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में अधीक्षक पद पर पदस्थ हैं उनके नेतृत्व में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन कन्या हाई स्कूल सुदूर ग्रामीण अंचल मवई में आयोजित किया गया इस चिकित्सा शिविर से 300 से अधिक लोग लाभान्वित

हुए। मवई में आयोजित इस चिकित्सा शिविर में जबलपुर मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग , हड्डी रोग , स्त्री रोग , शिशु रोग , नेत्र रोग एवं अन्य स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम मौजूद रही। शिविर में पहुंचे जबलपुर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सह अधीक्षक डॉ विजय आनंद मरावी ने कहा कि समाज में अच्छे लोगों के काम हमेशा जिंदा रहते हैं। अगर बच्चे अच्छा काम करते हैं तो माता-पिता की पहचान उससे आगे बढ़ती है। यह प्रगति है, आज यह विभा जी का गौरव है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान के आशीर्वाद से इस तरह के आयोजन हो रहे हैं और लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। डॉक्टर मरावी ने कहा कि जहां मैं पैदा हुआ हूं जहां मैं पला बढ़ा हूं और जहां मैंने शिक्षा प्राप्त की है वहां के लिए हमेशा कुछ कर गुजरने की मेरी हमेशा तमन्ना रही है इसलिए मेरे द्वारा समय-समय पर यहां पर चिकित्सा कैंप लगाए जा रहे हैं इसके पूर्व में भी जो चिकित्सा कैंप लगाए गए हैं उससे मरीजों का जबलपुर मेडिकल कॉलेज एवं अन्य प्राइवेट अस्पतालों में मेरे द्वारा एक छोटा सा प्रयास के माध्यम से इलाज मरीजों का कराया गया है जिसमें हमें सफलता भी मिली है ।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन एवं अन्य गंभीर बीमारियों में ईलाज के माध्यम से प्रयास किया गया है जिन लोगों का मेरे से संपर्क होता है मैं उनकी मदद करने का हर संभव प्रयास करता हूं क्योंकि एक सफल डॉक्टर की जिम्मेदारी रहती है सेवा देना । उन्होंने अपने स्कूल लाइफ से लेकर कॉलेज लाइफ एवं कुछ विषयों को लेकर जनता से बात करी एवं अपनी बात रखी। डॉ विजय आनंद मरावी ने बताया की निशुल्क चिकित्सा कैंप के माध्यम से उन्होंने अब तक 1000 से ज्यादा लोगों का इलाज किया जा चुका है और आगे भी वो ऐसे कैंप लगाते रहेंगे।

गांव क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाने से लोगों में जागरूकता आती है. लोग इलाज में विश्वास करते हैं और उन्हें गंभीर से गंभीर बीमारी का पता चलता है। ऐसे अनुभव से व्यक्ति जानता है कि कैसे इलाज किया जाए। गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। इससे लोग लाभान्वित होते हैं। मेरे साथ डॉक्टरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, मुफ्त इलाज और दवाइयां भी दी गईं।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सक'

शिविर में डॉ विजय आनंद मरावी , डॉ हेमंत तिलगाम, डॉ विष्णु अहिरवार , डॉक्टर पलाश कासते , डॉ ऐश्वर्या ठाकुर ,डॉक्टर अमीषा सूर्या , डॉ विकल्प मिश्रा , डॉ आकाश असाटी , डॉक्टर सूरज अवधिया डॉ अभय कीर्ति , डॉ मधु सूदन मरावी , ममता बघेल , राजेश ऊइके ने 300 से अधिक मरीजों की जांच व इलाज निःशुल्क किया व अपना बहुमूल्य सहयोग दिया। इस दौरान मरीजों को दवाएं भी दी गईं। शिविर में मरीजों का प्राथमिक उपचार किया गया एक शिशु का निमोनिया का इलाज किया गया साथ ही गंभीर मरीजों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने व सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। निशुल्क चिकित्सा शिविर में मवई से ओमकार रजक, छुट्टा भैया , वीरेंद्र ठाकुर , अयोध्या प्रसाद , रवि परते का विशेष सहयोग रहा । इस दौरान बिछिया से समाजसेवी पत्रकार एवं अन्य वर्ग के लोग मौजूद रहे।

चौथे दिन हत्या के प्रयास के आरोपी को पुलिस रायपुर से किया गिरफ्तार

मंडला यशोः- 7 जून को फरियादी अर्जुन बरमैया ने रिपोर्ट किया था कि वह अपने साथी के साथ सुबह चाय -नाश्ता करने बस स्टैंड गया था, वहां पर सुबह राजू टी स्टॉल पर चाय पी रहा था, उसी समय भीमा उर्फ संदीप नंदा अपने साथियों ने मेरे एवं मेरे साथी पर धारदार हथियार से वार करने, मारपीट व खौलता हुआ तेल फेंकने की सूचना पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 391623 धारा 307, 294, 323, 506, 34 आईपीसी 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना और आरोपी की सरगर्मी से टीमें बनाकर तलाश प्रारंभ की गई। आरोपी की तलाश के दौरान आरोपी के मकान और हर संभावित स्थानों पर तलाश पतारसी की गई, जिसके फलस्वरूप आरोपी के रायपुर में होने की सूचना प्राप्त हुई आरोपी की सरगर्मी से तलाश की गई, परिणाम स्वरूप आरोपी को 10 जून 2022 को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी से एक चाकू बरामद किया गया है। आरोपी भीमा नंदा के विरुद्ध पुलिस थाना कोतवाली में कई अपराध पंजीबद्ध है, आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही पूर्व में की जा चुकी है। इस कार्यवाही एसडीओपी मंडला अश्विनी कुमार के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत थाना प्रभारी कोतवाली, उप निरीक्षक कामेश धुमकेती, रतन बचावले, भुवनेश्वर वामनकर, मनोज मिश्रा आरक्षक मानसिंह, सुंदर, अमित, संतराम, जफर, आशीष, सुरेंद्र, केशव अंकित पटेल एवं साइबर सेल मंडला से सुरेश भटेरे एवं सूर्यचंद्र बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पांच दिनों में चोरी के 4 मामलों का खुलासा करते बिछिया पुलिस ने चोरी के वाहन सहित चोर को किया गिरफ्तार

मंडला यशोः- जिले में थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर खुलासा करने हेतु मंडला एसपी द्वारा समस्त थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया। इसी तारतमय में थाना प्रभारी बिछिया द्वारा टीम बनाकर लगातार कार्यवाही करते हुए चोरी के 4 मामलों का खुलासा कर आरोपी के कब्जे से मोटरसाइकिल अन्य सामान जप्त किए गए हैं। 10 जून को प्रार्थी राजेंद्र मरकाम निवासी ग्राम फैंक थाना बिछिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी 7 जून के दोपहर को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर के सामने से मोटरसाइकिल चोरी कर भाग गया है रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस द्वारा तलाश पतासाजी की गई आरोपी सुरेंद्र मरकाम निवासी गोरखपुर घुटास से पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया जिसके कब्जे से मोटरसाइकिल होंडा शाइन एमपी 51 डश्र 1117 को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला आज

मंडला यशोः- प्राचार्य शासकीय आईटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मण्डला में 12 जून 2023 को प्रातः 10 बजे से प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में देश-प्रदेश की प्रतिष्ठित कम्पनियाँ सम्मिलित होंगी। 10वी, 12वी, आईटीआई, स्नातक उत्तीर्ण पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 वर्ष से 25 वर्ष तक हो भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को स्टाइपेंड 9 हजार रू. से 15 हजार रू. प्रतिमाह स्टाइपेन्ड एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

मेले में भाग लेने उक्त स्थान पर अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सहित 12 जून 2023 को प्रातः 10 बजे साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते हैं। अप्रेन्टिसशिप हेतु भर्ती, अप्रेन्टिसशिप नियमों एवं कंपनियों के शर्तों अनुसार की जाएगी। प्राचार्य आईटीआई ने बताया कि प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला (पीएमएनएएम) में प्रतिभागिता हेतु यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

13 जून को लोकसभा क्षेत्र की जनसभा एवं हितग्राही सम्मेलन आयोजित

प्रदेश सहप्रभारी पंकजा मुंडे, अजजा मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री, सांसद डॉ भोला सिंह होंगे शामिल

मण्डला यशोः- मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 साल पूरे होने पर संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र में जनसंपर्क से जनसमर्थन अभियान के तहत विशेष महासंपर्क अभियान आयोजित किया जा रहा है, 13 जून को मण्डला लोकसभा क्षेत्र की जनसभा एवं हितग्राही सम्मेलन जिला मुख्यालय मण्डला में 11.30 बजे स्टेडियम के पास आयोजित किया गया है, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि आयोजित जनसभा में संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र से कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। जनसभा को भाजपा प्रदेश प्रभारी राष्ट्रीय मंत्री पंकजा मुंडे, बुलंद शहर के सांसद अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ भोलांसह सहित केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री फग्गनसिंह कुलस्ते, जिला संगठन प्रभारी प्रदेश मंत्री श्री आशीष दुबे,भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री अश्विनी परांजपे, विधायक श्री देवसिह सैयाम,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, सहित पूर्व विधायक, पूर्व सांसद एवं अन्य पदाधिकारी संबोधित करेंगे।

भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता एवं टिफिन बैठक आयोजित

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में प्रातः 10 बजे आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश सहप्रभारी पंकजा मुंडे, सांसद डॉ भोला सिंह, जिला संगठन प्रभारी श्री आशीष दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी उपस्थित होकर प्रेस से संवाद करेंगे। विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक प्रातः 9 बजे आयोजित की गयी है। जिसमें जिले के सभी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है।

उत्कृष्ट माटी शिल्पियों से आवेदन आमंत्रित

मंडला यशोः- जिला माटीकला बोर्ड जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के 3 माटी शिल्पियों को प्रथम में 1 लाख रू., द्वितीय में 50 हजार रू. एवं तृतीय में 25 हजार रू. पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। जिले के उत्कृष्ट माटी शिल्पियों के आवेदन एवं कलाकृति का चयन जिला स्तरीय चयन कमेटी के पश्चात अधिकतम 3 उत्कृष्ट प्रविष्टियों को माटीकला बोर्ड मुख्यालय भोपाल द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। मण्डला जिले के उत्कृष्ट माटी शिल्पियों से अभिरूचि आमंत्रण हेतु आवेदन पत्र 11 अगस्त 2023 तक कलाकृतियां जमा किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिये कार्यालयीन समय पर मोबाईल नंबर 8959500194 में सम्पर्क किया जा सकता है।

प्राचार्यो का वित्तीय प्रशासनिक एवं अकादमिक जिला स्तरीय प्रशिक्षण का तृतीय बैच सम्पन्न

मंडला यशोः- शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु शिक्षा विभाग एवं जनजाति कार्य विभाग के जिला मण्डला के समस्त हाई स?कूल एवं हायर सेकेण्डरी प्राचार्यध्प्रभारी प्राचार्य का राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त 04 मास्टर ट्रेनर द्वारा वित्तीय प्रशासनिक एवं अकादमिक विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के तृतीय चरण में 75 प्राचार्य(शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्यविभाग) को राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर से एस.सी. चतुर्वेदी प्राचार्य घाघा, ए.के. जैन प्राचार्य बिनैका, एस.एस. पांडे प्राचार्य खुर्शीपार एवं एस.के. डागोरिया प्राचार्य नर्मदा पोण्डी लिंगा द्वारा विभिन्न विषय - नियुक्ति पश्चात की जाने वाली कार्यवाही एवं सेवा पुसतिका संधारण, नई शिक्षा नीति 2020, 21वीं सदी के विद्यार्थी और शिक्षक की भूमिका, आरटीई, मूलभूत नियम, शैक्षणिक प्रशासन में प्राचार्य की भूमिका, अनिवार्य शिक्षा अधिकार, सिविल सेवा की मूलभूत नियम, सीसीएलई, विद्यालय का अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग, आहरण संवितरण अधिकारी भूमिका, ज्चै, ळैज् , प्रभावी बैठकों का आयोजन, भंडार क्रय नियम, अपलेखन, यात्रा देयक, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, महिला एवं बालिकाओं का संरक्षण, सिविल सेवा आचरण नियम, सूचना का अधिकार, अवकाश नियम, यात्रा दिवस एवं चिकित्सा प्रतिपूर्ति, न्यू पेंशन स्कीम, बेवसाइडपर शिक्षण कार्य संबंधित पोर्टल, वित्त संहिता, गोपनीय चरित्रावली, लेखा एवं पंजियों का संधारण, कौशल विकास, समावेशी शिक्षा, परीक्षा, मूल्यांकन सहित शाला स्तर पर संचालित समस्त गतिविधियों से प्राचार्य को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का समापन एपीसी मुकेश पांडे(समग्र शिक्षा सेके.एजु.) मण्डला एवं संजय सप्रे प्राचार्य बरगांव, श्रीमती मुन?नी वरकडे, एस के यादव प्राचार्य उदायपुर, दीलीप गुप्ता प्राचार्य पिपरिया, निलांजना दुबे प्राचार्य उत्कृष्ट निवास की उपस्थिति में हुआ प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी श्री एम एस सिंद्राम सहायक संचालक द्वारा सतत मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। सुमित कुशवाहा द्वारा संपूर्ण प्रशिक्षण में तकनीकी सहायता की गई।

विद्युत शिकायत निवारण फोरम की बैठक व सुनवाई आज

मंडला यशोः- म.प्र. शासन ऊर्जा विभाग एवं म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. जबलपुर के निर्देशानुसार मण्डला वृत्त में जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम का गठन किया गया है। फोरम की बैठक, सुनवाई 12 जून 2023 दिन सोमवार को प्रातः 11 बजे वृत्त कार्यालय मंडला में आयोजित होगी। सुनवाई में विद्युत उपभोक्ता अपनी बिल सम्बन्धी समस्याओं का त्वरित निराकरण करा सकेंगे। बैठक, सुनवाई में ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिल सम्बन्धी समस्याओं का निराकरण सम्बन्धित कार्यालय से न हुआ हो और वे असंतुष्ट हों तो सुनवाई में अपनी समस्या रखने हेतु लिखित आवेदन के साथ एक पुराना बिल संलग्न कर उपस्थित होकर अपनी समस्या का निराकरण करा सकते हैं।

घुघरी के पूर्व बीएमओ डॉ. लक्ष्मण सिंह उईके निलंबित

कलेक्टर के निरीक्षण में पाई गई थी गंभीर अनियमितताएं

मंडला यशोः- कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुघरी के निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए कमिश्नर जबलपुर संभाग अभय वर्मा द्वारा तत्कालीन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मण सिंह उईके को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 17 मई 2023 को कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना के निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुघरी में गंभीर अनियमितताएं पाई गई थी। स्थानीय लोगों द्वारा डॉ. उईके की कार्यप्रणाली के प्रति असंतोष व्यक्त किया गया। उपरोक्त के आधार पर कलेक्टर डॉ. सिडाना ने चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मण सिंह उईके को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा विकासखंड चिकित्सा अधिकारी घुघरी के निलंबन का प्रस्ताव कमिश्नर जबलपुर को भेजा गया। प्रस्ताव के आधार पर कमिश्नर अभय वर्मा ने डॉ. लक्ष्मण सिंह उईके को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए इनका मुख्यालय कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला नियत किया है। निलंबन अवधि में डॉ. उईके को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

प्रथम पृष्ठ के शेष समाचार......................

मोदी सरकार ने 9 सालों में हमारी-----------

लोन योजना के लाभार्थियों की संख्या 60000, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत हितग्राहियों की संख्या 337900, जनधन खातों की संख्या 691320, प्रधानमंत्री आवास योजना में हितग्राहियों की संख्या 172774, जल-जीवन मिशन के हितग्राहियों की संख्या 258065, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्डों की संख्या 1088751, किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की संख्या 299550, हर घर बिजली योजना के हितग्राहियों की संख्या 185470, प्रधानमंत्री शौचालय योजना के लाभार्थियों की संख्या 199425 है। श्रीमती मुंडे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा बीते 9 सालों में जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए जो बजट रखा है, वह आजादी के बाद से रखे गए ऐसे ही बजटों से कई गुना अधिक है।

कार्यक्र में सांसद ढालसिंह बिसेन, विधायक, प्रदेश शासन के मंत्री रामकिशोर कावरें, बालाघाट विधायक एवं पिछड़ावर्ग आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन, पार्टी के प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, सिवनी जिलाध्यक्ष आलोक दुबे, बालाघाट जिलाध्यक्ष सत्यनाराण अग्रवाल, विधायक दिनेश मुनमुन राय, व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल, सह प्रदेश संयोजक रूपचंद मोहनानी, महिला मोर्चा के प्रदेश महामंत्री श्रीमती अश्विनी परांजपे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रदीप राय, जिला मंत्री संजीव मिश्रा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशांत तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी अभय कोचर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनता ढोंगी हिन्दुओं........

कि आज अगर हम दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं, तो उस व्यक्ति तक पूरा एक रुपया पहुंचता है।

श्री तिवारी ने कहा कि हम सभी के लिए यह गर्व का विषय है कि अर्थव्यवस्था के मामले में देश 11 वें स्थान पर था। मोदी सरकार द्वारा बीते 9 वर्षों में किए गए प्रयासों ने देश को पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया है।

श्री तिवारी ने कहा कि शपथ ग्रहण के पहले दिन से मोदी सरकार गरीब कल्याण को समर्पित रही है। इस सरकार के कार्यकाल में गरीबों के जीवन में ऐसे बदलाव आए हैं, जिनके बारे में उन्होंने पहले सोचा भी नहीं होगा। मोदी सरकार देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दे रही है। पहले जहां बड़ी आबादी को पीने के लिए स्वच्छ पानी नहीं मिलता था, अब 11 करोड़ घरों में नल से स्वच्छ जल पहुंच रहा है। 9 करोड़ से अधिक गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन दिये गए हैं। मोदी सरकार ने 46 करोड़ लोगों के जनधन खाते खोले और उन्हें बैंकिंग प्रक्रिया से जोड़ा। मोदी सरकार ने देश में 10 करोड़ शौचालय बनाए और 3.5 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के मकान दिए हैं। मोदी सरकार ने 50 करोड़ से अधिक लोगों आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया है।

श्री तिवारी ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को साकार करने के लिए मोदी सरकार ने ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे बेटियां न सिर्फ बच रही हैं बल्कि पढ़ भी रही हैं और आगे बढ़ भी रही हैं। आज देश की सशस्त्र सेनाओं से लेकर हर क्षेत्र में बेटियां बराबरी से काम कर रही हैं। जिन हितग्राहियों को मुद्रा लोन दिये गए हैं, उनमें 7 प्रतिशत बेटियां ही हैं। दूसरी तरफ प्रदेश की शिवराज सरकार ने बेटियों के कल्याण के लिए लाडली लक्ष्मी योजना शुरू की। बहनों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए शिवराज सरकार ने लाडली बहना योजना शुरू की है और हाल ही में एक करोड़ 25 लाख लाडली बहिनों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से एक-एक हजार रुपये की राशि भेजी गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बेटी के पैदा होने से लेकर उसकी पढ़ाई लिखाई और उसकी शादी से लेकर उसके परिवार चलाने तक की चिंता कर रही है।

श्री तिवारी ने कहा कि, कृषि के क्षेत्र में मोदी सरकार ने बड़ी छलांग लगाई है। पहले कृषि का जो बजट 12 हजार करोड़ रुपये हुआ करता था, वो अब बढ़कर 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये हो गया है। मोदी सरकार देश के 11 करोड़ किसानों को हर साल 6 हजार रुपये किसान सम्मान निधि दे रही है और अब तक किसान सम्मान निधि के रूप में 2.5 लाख करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं। सरकार ने देश में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 1 लाख करोड़ का अलग से प्रावधान किया है।

श्री तिवारी ने कहा कि, केंद्र की मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल के 9 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इन सालों में मोदी सरकार ने जो काम किए हैं, उन्हें देश के लोगों तक पहुंचाने के लिए 30 जून तक भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा महा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

कहानी मंदिर के पास जुआरी लगा रहे थे हार जीत का दाव, पांच गिरफ्तार, 4050 रुपए बरामद

सिवनी यशोः- सिवनी जिले के आदिवासी बाहुल्य विकास खंड घंसौर के अंतर्गत आने वाले कहानी में हनुमान जी मंदिर के समीप दोपहर के समय कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद घंसौर पुलिस मौके पर पहुंची और 5 जुआड़ियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 4050 जब किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घंसौर थाना अंतर्गत 15 किलोमीटर दूर कहानी में हनुमान जी की मंदिर के समीप 5 लोग जुआ फड़ पर बैठे थे और हार जीत का दाव लगा रहे थे। वहीं इस बात की जानकारी मुखबिर से घंसौर पुलिस को मिली। जहां पुलिस ने दबिश देते हुए 5 लोगों को गिरफ्त में लिया है। जिनके पास से 4050 भी जप्त किए हैं। और जुआ एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। साथ ही स्थानीय लोगों से कहा है कि आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी पुलिस को दें। ताकि क्षेत्र में अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-4ङ्घ्रश्चङ्कङ्खह्वद्वञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्श्चद्व न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297